रिकवरी की राह पर चोला इनवेस्टमेंट एंड फाइनेंस

लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी बिजनेस में तेजी के चलते जून तिमाही में कंपनी की लोन ग्रोथ 36% बढ़ी

[नरेंद्र नाथन]

चोलामंडलम इनवेस्टमेंट एंड फाइनेंस (सीआईएफ), मुरुगप्पा ग्रुप की फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी है। इसके परफॉर्मेंस में लगातार सुधार हो रहा है। इसकी वजह लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी बिजनेस का मुनाफे में आना है। चार तिमाहियों तक लगातार गिरने के बाद इस सेगमेंट में जून 2017 तिमाही में कंपनी की लोन ग्रोथ 36 पर्सेंट बढ़ी।

इसके बावजूद लोन डिस्बर्समेंट सालाना आधार पर 25 पर्सेंट कम रही। लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी सेगमेंट में कंपनी का ग्रॉस एनपीए अभी भी 6 पर्सेंट के साथ हाई लेवल पर है। ऐसे में कंपनी को मुश्किल दौर से बाहर निकलने में कुछ तिमाहियों का समय लगेगा।

सीआईएफ की व्हीकल फाइनेंस सेगमेंट अच्छा परफॉर्म कर रहा है। जून तिमाही में इस सेगमेंट में कंपनी की लोन ग्रोथ 17 पर्सेंट बढ़ी। कंपनी के कुल लोन डिस्बर्समेंट में इस सेगमेंट का शेयर बढ़कर 83 पर्सेंट पहुंच गया है। इसमें टैक्स से पहले रिटर्न ऑन एसेट भी बढ़कर 3.5 पर्सेंट हो गया। स्टेबल एसेट क्वॉलिटी, कम प्रोविजनिंग कॉस्ट, लोन ग्रोथ, एयूएम में लगातार बढ़ोतरी और एफिशिएंसी बढ़ने से रिटर्न ऑन एसेट में बढ़ोतरी हुई है।

हालांकि, इकनॉमिक रिकवरी में सुस्ती की वजह से एनबीएफसी को परेशानी हो रही है। इसके बावजूद डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो और एसेट क्वॉलिटी पर बेहतर कंट्रोल की वजह से सीआईएफ की हालत दूसरों से अच्छी दिख रही है। कंपनी होन लोन सेगमेंट में भी है, भले ही यह बिजनेस बड़ा नहीं है। इसी तरह से वह एसएमई को लोन देती है। इनवेस्टमेंट एडवाइजरी सर्विसेज और स्टॉक ब्रोकिंग यूनिट भी कंपनी के पास हैं।

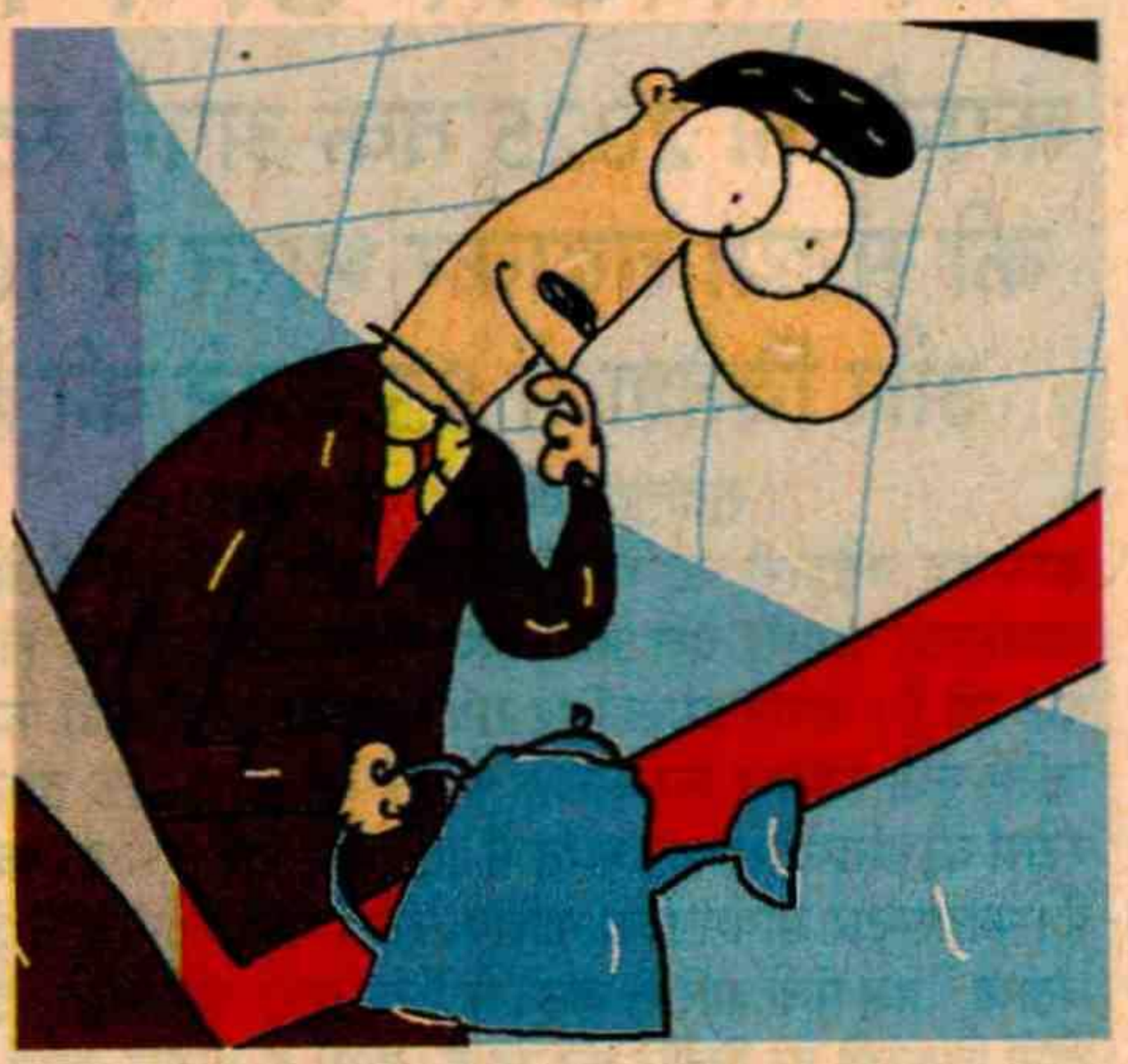

शेयर बाजार में तेजी की वजह से सीआईएफ की फी बेस्ड इनकम में बढ़ोतरी होनी चाहिए। कंपनी के अधिकतर ग्राहक असंगठित क्षेत्र के हैं, इसलिए इसका नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) ज्यादा है। पहले बिजनेस के लिए कंपनी बैंकों से लोन पर अधिक आश्रित थी, लेकिन अब वह मार्केट से ज्यादा फंड जुटा रही है।

मार्केट एनालिस्टों का कहना है कि सीआईएफ का एनआईएम आने वाले वर्षों में 8 पर्सेंट से ज्यादा रह सकता है। जहां अधिकतर एनबीएफसी पिछले एक साल से मार्केट को आउटपरफॉर्म कर रही हैं, वहीं सीआईएफ के इक्विटी सेगमेंट की वजह से इसकी परफॉर्मेंस खराब थी। हालांकि, होम लोन सेगमेंट में रिकवरी से भविष्य में सीआईएफ का रिटर्न रेशियो बेहतर हो सकता है। अगर ऐसा हुआ तो स्टॉक की री-रेटिंग हो सकती है।

लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी सेगमेंट में चोलामंडलम इनवेस्टमेंट एंड फाइनेंस का ग्रॉस NPA अभी भी 6% के साथ हाई लेवल पर है। ऐसे में कंपनी को मुश्किल दौर से बाहर निकलने में कुछ तिमाहियों का समय लगेगा